[श्री ए० पी० सिन्हा]

दस्तावेज़ के महत्व को देखते हुये हमें इस की एक प्रति दी जानी चाहिये ।

श्री नन्दा : वह तो हो जायगा ।

श्री एस० एल० सक्सेना : तो इस प्रश्न पर वादविवाद कब होगा ?

अध्यक्ष महोदय : सभा की बैठकें भी सितम्बर में होंगी । तब हम निश्चय कर लेंगे कि बाढ़ की स्थिति पर वादविवाद हो या न हो । पहले सार तथ्य इकट्ठे हो जाने दीजिये जैसे कि माननीय मंत्री ने अभी अभी कहा है ।

गोआ के सम्बन्ध में वक्तव्य

प्रधान मंत्री तथा वदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नहरू) : इससे पूर्व कि मैं आपकी अनुमति से, उत्तर पूर्वी सीमा अभिकरण की कुछ घटनाओं के विषय पर एक संक्षिप्त विवरण दूं, मैं गोआ के सम्बन्ध में कुछ बाद के आंकड़े, अर्थात्, जो आंकड़े मैं ने कल दिये थे उनको ठीक करने के लिये देना चाहूंगा । ये आंकड़े १५ अगस्त को होने वाली घटनाओं सम्बन्धी हैं ।

कल मैंने बतलाया था कि १५ व्यक्तियों के मरने, २० के लापता होने, शेष के वापस लौट आने और बहुत से घायल हो जाने का समाचार मिला है बाद की सूचना यह है कि २० लापता व्यक्तियों में से १० और वापस आ गये हैं । १० के विषय में अभी भी पूरा पता नहीं है । किन्तु हमारी जानकारी यह है कि इन १० व्यक्तियों में से ७ को गोली से मार दिया गया है—यह १५ तारीख की बात है। इस प्रकार अब मृतकों की संख्या २२ समझी जाती है । अभी भी ३ व्यक्ति लापता हैं । हमे पता लगा है कि इन में से एक को पुर्तगाली सरकार द्वारा नज़रबन्द कर लिया गया है । दो व्यक्तियों के सम्बन्ध में हम नहीं कह सकते कि वे नज़रबन्द कर लिये गये हैं अथवा वे कहीं और हैं । घायलों की कुल संख्या २२५ है, जिसमें से लगभग ३८ व्यक्तियों के गहरी चोटें आने की खबर मिली है ।

उत्तर-पूर्वी सीमांत अभीकरण के बारे में वक्तव्य

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : हाल ही में लोकसभा में उत्तर-पूर्वी सीमा अभिकरण के तुएनसांग खण्ड की स्थिति के विषय में बहुत से प्रश्न पूछे गये हैं । पिछले कुछ महीनों में नागा पहाड़ी ज़िला और तुएनसांग खण्ड के दक्षिण में सीमा पर यदा-कदा कुछ हिंसात्मक घटनायें घटी हैं । इनमें आक्रमणकारियों द्वारा छिपे छिपे किये गये हमले भी सम्मिलित हैं जिनमें कुछ आसाम राइफल के सैनिक, कुछ संख्या में आदिमजाति के द्विभाषी तथा अन्य ग्रामीण मारे गये थे । कुछ स्कूलों की इमारतें, मकान तथा कुछ गांव जला दिये गये थे और चिकित्सा सम्बन्धी सामान लूट लिया गया था । इस पर सरकार ने इस वर्ष मई में शिलांग ब्रिगेड की दो कम्पनियों को तुएनसांग में रक्षात्मक कार्यों के लिये भेजा था जिससे हिंसा करने वाले लोगों को घेरने में आसाम राइफल को साहयता मिल सके । टुकड़ियों का उपयोग संकार्य के लिये न करके केवल रक्षात्मक कार्यों के लिये किया गया है ।

कुछ दिन हुये हमें इनमें से कुछ उन नागाओं के बारे में और जानकारी मिली थी जो हिंसा और आग लगाने की कार्यवाहियों में भाग ले रहे थे । उन्होंने मारो और भागो